Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-311

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018

B.A. (with Yoga Science), (Semester : Third)

संस्कृत

संस्कृत-व्याकरणम् (प्रश्न-पत्र-प्रथमम्)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "धीमत्" तथा "मनस्" शब्दों के रूप सभी विभक्तियों में लिखिए।
2. सोदाहरण वाच्य परिचय उपस्थापित कीजिए।
3. सूत्रोदाहरण-लेखन-पुरस्सर द्विगु समास का वर्णन कीजिए।
4. पूर्वकृदन्त पर प्रकाश डालिए।
5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए -

   "आत्म-संयम का अर्थ है, अपने मन तथा इन्द्रियों को विषयों से रोकना और अपनो इच्छाओं को वश में रखना। मन ही सब इन्द्रियों का स्वामी हैं, वही अपनी इच्छा के अनुसार इन्द्रियों को चलाता है। अतएव आवश्यकता है कि मन को विशेष रूप से वश में किया जाए। आत्म-संयम से ही मनुष्य उन्नति कर सकता है, अन्यथा नहीं।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. "वाच्" शब्द का रूप सभी विभक्तियों में लिखिए।
2. कर्मवाच्य तथा भाववाच्य में कर्तृवाच्य से क्या भिन्नता होती है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
3. समास-विग्रह कीजिए (यथेच्छ 06) -

   रामकृष्णौ, उमाशंकरौ, हस्तपादम्, शीतोष्णम्, पितरौ, उपकृष्णम्, यथाशक्ति, निर्जनम्, अनुरथम्।
4. समाहार द्वन्द्व समास को सोदाहरण समझाइये।
5. हिन्दी में अनुवाद कीजिए -

   "कः भ्रष्टाचारः? अनुचितसाधनेन धनोपार्जनम्। भ्रष्टाचारः अनेकरूपः। यथा उत्कोचग्रहणम्, खाद्यवस्तुषु अखाद्यस्य मिश्रणम्, अनुचितसाधनेन धनप्राप्तिः, स्वेष्टकार्यस्य सम्पादनार्थम् उत्कोचप्रदानम्। साम्प्रतं भारतवर्षे भ्रष्टाचारः विषवृक्षवत् संवर्धते। भारते भ्रष्टाचारस्य स्थितिः भयावहा विद्यत।"
6. "कृत्याः" तथा "कर्तरि कृत्" सूत्रों की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. "भगवत्" शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचनान्त रूप है .....
   (अ) भगवताय (ब) भगवन्ते
   (स) भगवते (द) भगवति
2. "जगती" शब्दरूप है ?
   (अ) द्वितीय विभक्ति एकवचन (ब) सप्तमी विभक्ति एकवचन
   (स) चतुर्थी विभक्ति द्विवचन (द) द्वितीया विभक्ति द्विवचन
3. कर्मवाच्य में कर्ता में कौन–सी विभक्ति होती है ?
   (अ) प्रथमा (ब) द्वितीया
   (स) तृतीया (द) उक्त में–से कोई नहीं
4. संख्यापूर्व समास है ?
   (अ) तत्पुरुष (ब) अव्ययीभाव
   (स) बहुव्रीहि (द) द्विगु
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी के लेखक हैं .....
   (अ) भट्टोजिदीक्षित (ब) वरदराज
   (स) पतञ्जलि (द) पाणिनि
6. "अयुतम्" का अर्थ है ?
   (अ) हजार (ब) दस हजार
   (स) लाख (द) दस लाख
7. "शाटिका" का अर्थ है ?
   (अ) मीठा (ब) कुर्ता
   (स) ठंडा (द) साडी
8. "अहं पुस्तकं ददामि" इस वाक्य का कर्मवाच्य में रूप होगा ?
   (अ) अहं पुस्तकं दीयते (ब) मया पुस्तकं ददति
   (स) मया पुस्तकं दीयते (द) मया पुस्तकं ददाति
9. "व्याकरणम्" पद में कितने उपसर्ग हैं ?
   (अ) 01 (ब) 02
   (स) 03 (द) 00
10. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के लेखक हैं ?
   (अ) वररुचि (ब) कपिल देव द्विवेदी
   (स) भट्टोजिदीक्षित (द) इनमें से कोई नहीं

----------X----------